Regarding need to grant Divyanga status to Ostomy patients-Laid

श्री विजय बघेल **(दुर्ग) :** ओष्टमी बीमारी एक ऐसी बीमारी है जिसमें मलमूत्र मार्ग में कैंसर हो जाने के कारण उन्हें ठीक करने के लिए शल्य चिकित्सा द्वारा एक कृत्रिम मार्ग निकालकर पेट पर एक बैग लगा दिया जाता है और मूल मार्ग से मलमूत्र का रिसाव न होकर कृतिम बैग में मलमूत्र का रिसाव होता है, इस बैग को हर 2 से 3 दिन में बदलना होता है, उन मरीजों में यह भी महसूस नहीं होता कि उनका रिसाव कब कहाँ और कैसे होगा । जब थैली भर जाए तो खाली करो और उस भयावह स्थिति की कल्पना कीजिये जब कहीं काम के दौरान रिसाव हो जाए तो सबके सामने मलमूत्र से सना हुआ बदबू भरा उनका कपड़ा, कैसी स्थिति में जी रहे हैं सोचा जाए तो नरक से कम नहीं है इनका जीवन । वर्तमान में देश भर में अनुमानतः ऐसे लगभग 10 लाख के आसपास मरीज हैं । अतः मैं स्वास्थ्य मंत्री से यह अनुरोध करता हूँ कि चूँकि उनके शरीर का महत्वपूर्ण अंग काम नहीं कर रहा है इस बीमारी से पीड़ित लोगों को दिव्यांग का दर्जा देने की दिशा में सकारात्मक पहल जल्द से जल्द करने की कृपा करें ।